टेलीफिल्में बनाने के लिए फिल्म निर्माताओं के साथ किये गये अनुबन्ध

1410. **श्री कपिल वर्मा :**

श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की करेंगे कि :

(क) कितनी फिल्मो के लिए अनुबन्ध किये गये हैं ;

(ख) दूरदर्शन द्वारा टेलीफिल्म बनाने की योजना के अन्तर्गत बनायी गयी फिल्मों के निर्माताओं के नाम क्या हैं जिनका प्रसारण किया जा चुका है ,

(ग) क्या यह सच है कि दूरदर्शन ने 35 मिलीमीटर की व्यावसायिक फिल्में बनाने के लिए पाच प्रमुख फिल्म निर्माताओं को अनुबधित किया है , यदि हां, तो उन फिल्म-निर्माताओ के नाम क्या हैं और बनायी गयी टेलीफिल्मो का ब्यौरा क्या है और उन्हे कितनी अनुदान राशि प्रदान की गयी ;

(घ) क्या यह भी सच है कि दूरदर्शन और राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम संयुक्त रूप से फिल्मे बनाते है , और

(ङ) यदि हा, तो गत तीन वर्षों के दौरान इस प्रयोजन के लिए कितनी अनुदान राशि प्रदान की गयी ?

गृह मंत्रालय मे राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कांत सहाय) : (क) दूरदर्शन ने अधिकृत (कमीशन्ड) स्कीम के अन्तर्गत टेलीफिल्म के निर्माण के लिए बाहरी निर्माताओं के साथ 123 अनुबंध किये ।

(ख) इस स्कीम के अधीन निर्मित और दूरदर्शन पर प्रसारित टेली फिल्मो के नाम विवरण में दिये गये हैं। (नीचे देखिए)

(ग) जी हा। पांच प्रमुख निर्माताओं के नाम जिन्हें फीचर फिल्मों के निर्माण का काम सौंपा गया था, फिल्मो के नामो और निर्माण के लिए स्वीकृत धनराशि का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

निर्माता का नाम	फिल्म का नाम	स्वीकृत धनराशि
1 श्री अमोल पालेकर . . .	थाड़ा सा रूमानी हो जाएं	26,66,000/–रुपये
2 श्री सा.न कुमार टाक . .	प्रेमदान	22,00,000/– रुपये
3. श्री बासु चटर्जी . . .	हमारी शादी	15,00,000/– रुपये
4. श्री महेश भट्ट . . .	डैडी	22,00,000/– रुपये
5 श्री सुब्रोतो बोस . . .	सुर असुर	22,00,000/– रुपये

(घ) और (ङ) जी हा, दूरदर्शन और रा०फि०वि०नि० के बीच हुए करार के अधीन दूरदर्शन ने निगम को 1986–87 मे 94.00 लाख रुपये और 1987–88 मे 54.00 लाख रुपये की धन राशि अन्तरित की थी ।

विवरण

क्रम संख्या	दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कमीशन्ड धारावाहिक
1.	सद्गति
2.	दा
3.	जेवर
4	तसवीर अपनी-अपनी
5.	आदमी और औरत
6.	गोकुल
7.	रंग
8.	दिल एक मुसाफिर
9.	कागज की नाव
10.	वक्त की आवाज
11.	न भूले हैं न भूलेंगे
12.	जमीनी के दायरे
13.	सौगात
14.	सौपान
15.	आरती
16.	पिकनिक
17.	देना पावना
18.	मैली सुगन्ध
19.	अकाक्षा
20.	बन्नड बेष
21	जहर-ए-इश्क
22.	इन व्हिच एन्नी गिव्स इट दोज आन
23.	दासी
24.	दूसरा कदम
25.	टू टू
26.	दीदी
27.	शीमाना
28.	विवेक
29.	रिश्ते
30.	छउआ
31.	धारासु
32.	संदेश
33.	आखिरी खबर
34.	एक साधारण आदमी
35.	नया जीवन
36.	[illegible]

आकाशवाणी और दूरदर्शन की विश्वसनीयता

1411. **श्रीमती वीणा वर्मा :**

श्री कपिल वर्मा :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी और दूरदर्शन की विश्वसनीयता कम होती जा रही है ,

(ख) यदि हा, तो उसके क्या कारण हैं ,

(ग) यदि नही, तो क्या यह सच है कि जब कोई राष्ट्रीय समस्या उत्पन्न होती है तो लोग वास्तविकता जानने के लिए बी०बी०सी० और अन्य विदेशी एजेंसियो को सुनते हैं , और

(घ) सरकार द्वारा इस दिशा मे सुधार करने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) जी नही।

(ख) यह सवाल पैदा ही नही होता।

(ग) और (घ) आकाशवाणी और दूरदर्शन का यह सतत प्रयास है कि समाचारों को समाचार नीति और मार्गनिर्देशों के अनुसार, समाचारिकता और समाचारिक महत्व को देखते हुए प्रस्तुत किया जाय।

दूरदर्शन के विज्ञापनों का जनता के लिए उपयोगी न होना

1412. **श्री कपिल वर्मा :**

श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विज्ञापन दूरदर्शन की आय का प्रमुख स्रोत है ;